हिंदी साहित्य का इतिहास
भाग-1

आन लाइन अध्यापन / भ्रम निवारण समय
प्रातः 8-00 बजे से 9-30 भाषाशास्त्र एवं
सायं 5-30 बजे से 7-00 हिंदी साहित्य का इतिहास
ZOOM ID - 261-891-6758 / मोबाईल नं. 9473030984

संशोधन अपेक्षित है

इंटर से स्नातकोत्तर एवं हिंदी भाषा एवं साहित्य के - यूजीसी एवं सिविल सर्विसेज के अखिल भारतीय परीक्षार्थी / प्रतियोगी (सबके लिए उपलब्ध)

डा.शिवचन्द्र सिंह
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हिंदी
रामेश्वरदास पन्नालाल महिला महाविद्यालय, पटना सिटी
पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना

हिंदी साहित्य का इतिहास

नामकरण, काल विभाजन एवं प्रवृतियां

संवत् 1050 - आजतक

हिंदी

सप्त सैंधव - सिंध - सिंधु

- हिंद - हिंदु - हिंदुई - हिंदवी - हिंदी

India –Indu

(इन्दु- चंद्रमा)

Ind- Indus- Indica- India

हिंदी साहित्य काल विभाजन
(संवत्: 1050-2019, ईस्वीं: 993-2076)

	आदिकाल	भक्तिकाल	रीतिकाल	आधुनिक काल
संवत्	1050-1375	1375-1700	1700-1900	1900-2076.....
ईस्वीं	993-1318	1318-1643	1643-1843	1843-2020.....

काल विभाजन

	संवत्	ईस्वीं
आदिकाल	1050-1375	993-1318
भक्तिकाल	1375-1700	1318-1643
रीतिकाल	1700-1900	1643-1843
आधुनिककाल	1900-2076	1843-2020.....

हिंदी साहित्य के इतिहासकार

नाभादास (1585) भक्तमाल एवं दो सौ बावन
गार्सा द तासी (1839)
इस्त्वार द ला लितेरात्युर ऐंदुई ऐन्दुस्तानी
मौलवी करीमुद्दीन(1848) तबकातुश्शुअरा या तजाकिरा ई शुअरा ई हिंदी
शिवसिंह सेंगर(1878)शिवसिंह सरोज
सर जार्ज ग्रियर्सन (1888) मार्डन वर्नाकुलर आफ हिंदुस्तान
मिश्र बंधु (श्याम,शुकदेव गणेश बिहारी मिश्र) (1913) मिश्रबंधु विनोद
एडविन ग्रीव्स) (1917) ए स्केच आफ हिंदी लिट्रेचर
एफ ई के (1920) ए हिस्ट्री आफ हिंदी लिट्रेचर
गंगाप्रसाद अखौरी(1926) हिंदी के मुसलमान कवि
रामचन्द्र शुक्ल (1929/1940)भूमिका में हिंदी साहित्य का विकास(इतिहास) एवं 1940हिंदी सा. का इतिहास
श्यामसुंदर दास (1930) भाषा और साहित्य
रमाशंकर शुक्ल रसाल (1931) हिंदी साहित्य का इतिहास

1. इंद्रनाथ मदान (1939) माडर्न हिंदी लिटरेचर
2. नंददुलारे बाजपेयी (1939) आधुनिक साहित्य
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (1938) हिंदी साहित्य का अतीत
4. रामकुमार वर्मा (1938) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी (1940) हिंदी साहित्य की भूमिका, हि.सा. का आदिकाल, हि.सा. उद्भव एवं विकास
6. राहुल सांकृत्यायन (1945) हिंदी काव्यधारा
7. नलिन विलोचन र्मा (1960) साहित्य का इतिहास दर्शन
8. गणपतिचंद गुप्त (1965) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
9. बच्चन सिंह (1996) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
10. रामस्वरूप चतुर्वेदी (1986) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
11. नामवर सिंह (1987) आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ
12. नागरी प्रचारिणी सभा (1957) हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास 16 भाग

आदिकाल का नामकरण

चारण काल - सर जार्ज ग्रियर्सन
आरंभिक काल-मिश्र बंधु
आदिकाल या वीरगाथा काल - रामचन्द्र शुक्ल
वीरकाल - विश्वनाथ मिश्र
सिद्ध सामंत काल - राहुल सांकृत्यायन
संधि-चारण काल - रामकुमार वर्मा
बीजवपन काल - महावीर प्रसाद द्विवेदी
अंधकार काल - कमल कुलश्रेष्ठ
बाल्यावस्था/अंधकाल-रमाशंकर शुक्ल रसाल
शून्यकाल- गणपतिचंद्र गुप्त

आदिकाल की रचना	रचनाकार
पृथ्वीराज रासो	- चंदबरदाई
परमाल रासो	- जगनिक
वीसलदेव रासो	- नरपति नाल्ह
विजयपाल रासो	- नल्ल सिंह
खुमान रासो	- दलपत विजय
हम्मीर रासो	- शारंगधर
जयचंद प्रकाश	- भट्ट केदार
जयमयंक जस चंद्रिका	- मधुकर
कीर्तिलता, कीर्ति पताका, पदावली	- विद्यापति
पहेलियां-मुकरियां	- अमीर खुसरो

आदिकाल प्रवृतियां

वीर रस काव्य –
बारह बरस लौं कुकुर जीवै, और तेरह लौं जिवै सियार।
बरस अठारह छत्री जिवै, आगे जीवै को धिक्कार।
श्रृंगारिकता-
रंगमहल में हलाहल
धर्मपरकता- कीर्तिलता एवं कीर्ति पताका
नाथ सिद्ध सक्रिय

- नामवर सिंह-धर्म को ही मुख्य प्रवृति

रासो काव्य परंपरा
ऐतिहासिकता का अभाव

रचनाओं की संदिग्धता
प्रकृति का सजीव चित्रण
युद्ध का सजीव चित्रण
स्त्रियों की आर्त पुकार
डिंगल-पिंगल भाषा शैली
संकुचित राष्ट्रीयता
नीतिपरकता एवं अंधविश्वास पर आघात

भक्तिकाल प्रवृतियां

निर्गुण काव्य परंपरा

ज्ञानाश्रयी या ज्ञानमार्गी शाखा या संतकाव्य परंपरा

प्रेमाश्रयी या प्रेमाख्यान या सूफी काव्य परंपरा

सगुण काव्य परंपरा

कृष्णाश्रयी या कृष्णकाव्य परंपरा

रामाश्रयी या रामकाव्य परंपरा

निर्गुण काव्य परंपरा

ज्ञानाश्रयी या ज्ञानमार्गी शाखा या संतकाव्य परंपरा के संत कवि-

रविदास, सधना कसाई, नामदेव, नानक, सुंदरदास, मलूकदास, दादू, सहजोबाई

संत कबीर

प्रवृतियां –

- निर्गुण ईश्वर में विश्वास
- जति-पांति का विरोध
- सद्गुरु का महत्त्व
- नारी के प्रति दृष्टिकोण
- बहुदेव एवं अवतारवाद का विरोध
- समाजिक रूढि और आडंबर विरोध
- रहस्यवाद एवं मायावाद
- भाषा एवं शैली

प्रेमाश्रयी या प्रेममार्गी या सूफीकव्य परंपरा

जायसी (पद्मावत)

सूफी कवि

- मुल्लादाउद (चंदायन)
- कुतुबन (मृगावती)
- मंझन (मधुमलती)
- असाईत (हंसावली)
- उसमान (चित्रावली)
- नरपतिव्यास(नल दम्यंती)
- ईश्वरदास(सत्यवती कथा)
- जानकवि(रतनावती,

रूपमंजरी, कनकावती-29 प्रेमकाव्य)

प्रवृतियां

- एकेश्वरवाद में विश्वास
- प्रेम के पीर के कवि
- प्रबंधात्मकता
- रहस्यवादी काव्य
- सांस्कृतिक समन्वय का प्रयास
- नारी को प्रतिष्ठा
- शैतान की परिकल्पना
- भाषा एवं शैली